ठंडी हवाओं ने कंपकंपाया दोपहर बाद मौसम बदला

नव भारत न्यूज

इंदौर. एक महीने के बाद कल रात का तापमान दो अंकों में पहुंचा था. आज सूरज के तेवर भी तीखे नहीं थे और दिनभर बादलों से लुकछुपी चलती रही. दोपहर बाद बर्फीली हवाओं के कारण अचानक मौसम में बदलाव आया और शाम होने तक पारा 20 डिग्री पर पहुंच गया। रात 9 बजे तक पारा 15 डिग्री से कम हो गया. शहर में पिछले एक महीने से रात का तापमान 4 से 9 डिग्री के बीच चल रहा था. कल रात को ही तापमान 12.4 डिग्री हुआ था. आज सुबह से मौसम में बादल छाए हुए हैं. दोपहर बाद अचानक उत्तर की तरफ से आ रही हवाओं के कारण बदल गया. ठंडी हवाएं 15 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही है. शाम को छह बजे बाद मौसम में बहुत ज्यादा ठंडक महसूस होने लगी. आज दिन का तापमान सामान्य से 1 डिग्री कम होकर 24.4 दर्ज किया गया. शाम 5 बजे 20.4 तक तापमान गिर गया. एक अनुमान के अनुसार रात तक पारा 15,0डिग्री के आसपास पहुंच गया. मौसम में तेज हवाओं के कारण ठंड से कंपकपी छूटने लगी है. मौसम के तेवर को देखने हुए कई जगह लोग अलाव जलाकर तापते नजर आए.

कुछ दिन में गिर सकता है मावठा

मौसम विभाग के अनुसार अगले कुछ दिनों में शहर मावठा गिर सकता है। साथ ही रात के साथ दिन में भी तेज ठंड पढ़ने की संभावना है. मावठे गिरने के बाद कड़ाके की ठंड गिर सकती है.

भारत को व्यापार समृद्ध बनाना होगा तभी विदेश नीति सफल होगी

- अभ्यास मंडल द्वारा मासिक व्याख्यान माला आयोजित
- हमें हथियार निर्माण में आत्मनिर्भर होना होगा : शर्मा

इंदौर. विदेश नीति की सफलता के लिए जरूरी है कि भारत अपने व्यापार को समृद्ध बनाएं. विश्व में अच्छे नारे देने से कुछ नहीं होता है हमें हथियारों के निर्माण में आत्मनिर्भर बनना चाहिए.

यह बात सेंट्रल इंडिया फाउंडेशन थिंक टैंक के अध्यक्ष एवं 1981 बैंच के आईएफएस अधिकारी अशोक शर्मा ने कही. वे अभ्यास मंडल के द्वारा आयोजित मासिक व्याख्यान माला को संबोधित कर रहे थे. उनके व्याख्यान का विषय था- अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य में भारत की विदेश नीति. इंदौर प्रेस क्लब के सभागार में आयोजित किए गए. इस व्याख्यान में उन्होंने कहा कि पिछले तीन-चार सालों में देश की जनता ने विदेश के मामलों में रुचि लेना शुरू कर दी है. बहुत से परिवारों के कोई ना कोई

सदस्य विदेश में जाकर बस गए हैं इसलिए भी यह रूचि पैदा हुई है. हमारी जीडीपी पूरी तरह से फॉरेन ट्रेड पर निर्भर है। देश की आजादी के बाद हम आदर्शवाद की नीति पर चले. हमने हमेशा उपनिवेशवाद का विरोध किया रंग भेद के खिलाफ लड़ाई लड़ी. ऐसी स्थिति में भी हम दक्षिण के देशों के नेता बने. कार्यक्रम की अध्यक्षता न्यायमूर्ति इस श्रीवास्तव ने की. संचालन अशोक कोठारी ने किया. अतिथियों का स्वागत वल्लभभाई पटेल शिवाजी मोहिते चंद्रशेखर बोबरा ने किया. अतिथि को स्मृति चिन्ह पूर्व राज्यपाल न्यायमूर्ति वीएस कोकजे ने भेंट किया. आभार प्रदर्शन अभ्यास मंडल के अध्यक्ष रामेश्वर गुप्ता ने किया.

विकासशील देशों को इकट्ठा करने पर दें जोर

श्री शर्मा ने कहा कि वर्ष 2014 में जब देश में सरकार बदली तो भारत के द्वारा मल्टी एलाइनमेंट की पॉलिसी पर काम शुरू किया गया. इसमें हम किसी भी मुद्दे पर किसी देश के साथ हैं तो दूसरे मुद्दे पर उसे देश के खिलाफ भी है। इस पॉलिसी में राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि रखा जाता है. इसी पॉलिसी पर हमारा पड़ोसी देश पाकिस्तान भी चल रहा है. इस पॉलिसी की खासियत यह है कि कोई भी देश हमें दूसरे देश से संबंध बनाने से रोक नहीं सकता है. शर्मा ने कहा कि हम ग्लोबल साउथ के लीडर है. ऐसे में सभी विकासशील देशों को इकट्ठा करने पर हमें जोर देना चाहिए. विश्व गुरु बनने के चक्कर में हमने अपना बहुत नुकसान किया है. किसी भी देश की ताकत का आकलन उसकी आर्थिक स्थिति और डिफेंस में पावर से किया जाता है. इन दोनों सेगमेंट में हम अभी बहुत कमजोर हैं. हमारे देश में पर कैपिटा इनकम भी बहुत कम है. डिफेंस प्रोडक्शन में हम बहुत पीछे हैं.

हम लोग रिस्क नहीं लेना चाहते

उन्होंने कहा कि आज से 25 साल पहले भारत और चीन एक समान स्थिति में थे बराबर थे। इसके बाद चीन ने खामोशी के साथ अपनी अंदरुनी ताकत को विकसित करने में ध्यान लगाए. आज चीन विश्व की ताकत के रूप में तब्दील हो रहा है. हमारे देश की पॉलिसी तो बहुत अच्छी होती है लेकिन उसका क्रियान्वयन बेहतर नहीं हो पता है. हमारे देश में स्क्रू ड्राइवर टेक्नोलॉजी खूब चल रही है. एक बड़ी समस्या यह है कि हम लोग रिस्क नहीं लेना चाहते हैं. हमारा इनोवेशन एप और स्विगी जैसी चीजों पर जाकर रुक जाता है. यदि हमारी अर्थव्यवस्था मजबूत नहीं होगी तो हमारे देश की ताकत नहीं बनेगी. अब वह समय है जब हम चीन के साथ मिलकर काम करें और अपने उद्योग तथा डिफेंस सेक्टर को मजबूत करें।

सीपीआर से बची यात्री की जान, जीआरपी की तत्परता से टली अनहोनी

- उज्जैन स्टेशन के प्लेटफार्म पर अचानक बिगड़ी तबीयत
- गोल्डन आवर में मिली मदद

नव भारत न्यूज

इंदौर. शासकीय रेलवे पुलिस ने सजगता और मानवीय संवेदना का परिचय देते हुए एक यात्री की जान बचा ली. उज्जैन रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म क्रमांक छह पर ट्रेन के पहुंचते ही यात्री को अचानक दिल का दौरा पड़ा, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई. इसी दौरान ड्यूटी पर मौजूद जीआरपी

जवान ने हालात की गंभीरता समझते हुए तुरंत मदद शुरू की. एसपी रेल पद्मविलोचन शुक्ला ने बताया कि उज्जैयनी एक्सप्रेस के प्लेटफार्म पर रुकते ही एक यात्री बेहोश होकर गिर पड़ा. सांस रुकने की स्थिति बनते देख वहां तैनात जीआरपी के प्रधान आरक्षक पवन धुर्वे ने बिना देरी किए मौके पर ही सीपीआर देना शुरू किया. कुछ ही क्षणों की मेहनत के बाद यात्री की सांसें लौट आईं और उसकी हालत में सुधार हुआ. समय पर सीपीआर मिलने से यात्री को नया जीवन मिला. बाद में परिजन भी मौके पर पहुंचे और जीआरपी जवान की तत्परता की सराहना की. घटना के बाद यात्री को आगे के उपचार के लिए सुरक्षित रवाना कर दिया.

एक नजर में

इष्टदेव ऐप ने लॉन्च किया ट्रैवल मित्र फीचर

इंदौर. आध्यात्मिक पर्यटन को एक नई दिशा देने और देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को धार्मिक स्थलों का अधिक गहन, सुविधाजनक और व्यक्तिगत अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से इष्टदेव ऐप ने अपने नए फीचर ट्रैवल मित्र की शुरुआत की है. यह पहल तकनीक और अध्यात्म के संगम से यात्रियों के अनुभव को और अधिक सार्थक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है. इस फीचर के माध्यम से किसी भी धार्मिक या आध्यात्मिक क्षेत्र के स्थानीय निवासी जिन्हें उस क्षेत्र की परंपराओं, मान्यताओं, इतिहास और विशेष आध्यात्मिक महत्व का अच्छा ज्ञान हो तथा जिनकी अध्यात्म में गहरी रुचि हो—ईष्टदेव ऐप पर स्वयं को ट्रैवल मित्र के रूप में निःशुल्क रजिस्टर कर सकते हैं. ये ट्रैवल मित्र अन्य शहरों या राज्यों से आने वाले यात्रियों को प्रति घंटे शुल्क के आधार पर उस आध्यात्मिक स्थल को समझने, महसूस करने और उससे जुड़ने का अवसर प्रदान करेंगे. इस नए फीचर की जानकारी देते हुए ईष्टदेव की सह-संस्थापक एवं सीईओ प्रिया वर्मा ने बताया कि ईष्टदेव का उद्देश्य केवल एक डिजिटल प्लेटफॉर्म बनना नहीं है, बल्कि लोगों को उनके आध्यात्मिक मूल्यों और तीर्थ स्थलों से गहराई से जोड़ना है. ट्रैवल मित्र फीचर के माध्यम से हम यात्रियों को एक मानवीय, भरोसेमंद और व्यक्तिगत अनुभव देना चाहते हैं, साथ ही स्थानीय लोगों को सम्मानजनक आजीविका का अवसर भी प्रदान करना चाहते हैं.

मणप्पुरम ने भुवनेश ताराशंकर को बनाया ग्रुप सीएफओ

इंदौर. मणप्पुरम ग्रुप ने आज भुवनेश ताराशंकर को ग्रुप चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर (ग्रुप सीएफओ) नियुक्त करने की घोषणा की. वे मणप्पुरम ग्रुप की सभी कंपनियों में रणनीतिक वित्तीय नेतृत्व प्रदान करेंगे. साथ ही बोर्ड तथा वरिष्ठ प्रबंधन के साथ मिलकर वित्तीय प्रशासन, पूंजी की दक्षता तथा दीर्घकालिक मूल्य सृजन को मजबूत करने के लिए काम करेंगे. मणप्पुरम फाइनेंस लिमिटेड के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर वी. पी. नंदकुमार ने इस नियुक्ति के बारे में कहा मैं हमारे नए ग्रुप चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर के रूप में भुवनेश ताराशंकर का स्वागत करते हुए प्रसन्न हूं. भुवनेश अग्रणी बैंकिंग एवं वित्तीय सेवा संस्थानों में गहन एवं विविध अनुभव के साथ-साथ वित्तीय रणनीति, पूंजी प्रबंधन, कंपनी संचालन तथा रेगुलेटरी इंगेजमेंट में मजबूत क्षमता लेकर आ रहे हैं. जैसे-जैसे हम अपनी मणप्पुरम 2.0 रणनीति पर आगे बढ़ रहे हैं, उनका नेतृत्व वित्तीय प्रशासन को मजबूत करने, पूंजी की दक्षता बढ़ाने तथा ग्रुप में सतत मूल्य सृजन सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण होगा. जैसे-जैसे हम अपने दीर्घकालिक दृष्टिकोण को पूरा करने की दिशा में बढ़ रहे हैं, मैं उनसे निकटता के साथ काम करने की उम्मीद करता हूं.

पुलिस का सॉफ्टवेयर हुआ क्रैश डिजिटल पुलिसिंग की खुली पोल

- - ठप हुआ सिस्टम, आज नहीं बन सका डीएसआर
- -एक दिन की तकनीकी चूक, लेकिन खतरे में निगरानी और रिकॉर्ड

नव भारत न्यूज

इंदौर. जिस डिजिटल सिस्टम को पुलिस की रीढ़ बताया जाता है, वही सिस्टम एक झटके में ढह गया. सॉफ्टवेयर में आई तकनीकी खराबी के चलते शुक्रवार को पुलिस का सबसे अहम दस्तावेज दैनिक स्थिति प्रतिवेदन (डीएसआर) तैयार ही नहीं हो सका. यह महज तकनीकी दिक्कत नहीं, बल्कि पुलिस की डिजिटल निर्भरता और कमजोर बैकअप व्यवस्था की गंभीर पोल खोलने वाला मामला है.

पुलिस की वेबसाइड पर अधिकृत जानकारी दी गई है कि पुलिस द्वारा उपयोग किए जाने वाले सेंट्रलाइज्ड सॉफ्टवेयर में सर्वर रिस्पॉन्स फेल होने और डेटा सिंकिंग में गड़बड़ी के चलते डीएसआर जनरेट नहीं हो पाया. न तो थानों से पूरा डेटा अपलोड हो सका और न ही उच्च अधिकारियों के डैशबोर्ड पर कोई अपडेट पहुंचा. नतीजा यह रहा कि पूरे दिन की अपराध, कार्रवाई, गिरफ्तारी

और कानून-व्यवस्था की स्थिति कागजों में ही अटक गई.

डेटा मिस होना, बन सकता है बड़े प्रशासनिक विवाद व कानूनी उलझनों की वजह- डिजिटल पुलिसिंग के इस दौर में सॉफ्टवेयर का फेल होना यह भी दर्शाता है कि वैकल्पिक मैनुअल सिस्टम या रियल-टाइम बैकअप की व्यवस्था या तो कमजोर है या मौजूद ही नहीं. विशेषज्ञों का कहना है कि एक दिन का डेटा मिस होना भविष्य में बड़े प्रशासनिक विवाद और कानूनी उलझनों की वजह बन सकता है. इस पूरे घटनाक्रम ने साफ कर दिया है कि हाईटेक पुलिसिंग के दावों के बीच सिस्टम की एक तकनीकी खामी पूरी व्यवस्था को ठप कर सकती है. अब सवाल यह है कि क्या पुलिस विभाग इस चूक से सबक लेकर मजबूत तकनीकी बैकअप और वैकल्पिक व्यवस्था तैयार करेगा, या अगली बार फिर सिस्टम क्रैश होने का इंतजार किया जाएगा.

प्रशासनिक, कानूनी दस्तावेज है डीएसआर

ज्ञात हो कि डीएसआर पुलिस के लिए सिर्फ एक रिपोर्ट नहीं, बल्कि प्रशासनिक, कानूनी और रणनीतिक दस्तावेज होता है. इसी के आधार पर आईजी, डीआईजी, पुलिस कमिश्नर और एसपी जिले की स्थिति की समीक्षा करते हैं. डीएसआर नहीं बनने से वरिष्ठ अधिकारी अंधेरे में रहे और फील्ड की वास्तविक तस्वीर उन तक नहीं पहुंच सकी. सबसे बड़ा खतरा भविष्य को लेकर है. डीएसआर कोर्ट में पेश होने वाले रिकॉर्ड, विभागीय जांच और जवाबदेही तय करने का आधार होता है. यदि किसी मामले में बाद में सवाल उठे और उस दिन का डीएसआर उपलब्ध न हो, तो पुलिस के पास अपना पक्ष रखने के लिए ठोस दस्तावेज ही नहीं रहेगा. यही नहीं, अपराध के आंकड़ों में गैप आने से क्राइम ट्रेंड एनालिसिस, संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान और फोर्स डिप्लॉयमेंट की प्लानिंग भी प्रभावित हो सकती है.

श्रद्धा और विश्वास के बिना मनुष्य जीवन सार्थक नहीं

गणेश नगर में चल रही राम कथा में शिव पार्वती विवाह की हुई भावपूर्ण व्याख्या

इंदौर. जिसने भी स्वयं को श्रीराम से जोड़ा है, उसने हनुमान की तरह अदभुत काम किए हैं. राम का चरित्र काफी उदार है. राम के चरित्र में पुरुषार्थ, प्रेम, ममता, समता और एकता के सूत्र दिखाई देते हैं. राम के बिना इस सृष्टि और भारत भूमि की कल्पना भी नहीं की जा सकती. राम और कृष्ण का अवतरण सिर्फ भारत भूमि पर ही हो सकता है क्योंकि दुनिया के अन्य किसी भी देश की इतनी पुण्याई और पवित्रता नहीं हो सकती. शिव श्रद्धा और पार्वती विश्वास है. श्रद्धा और विश्वास के बिना मनुष्य का जीवन सार्थक नहीं हो सकता।

बर्फानी धाम के पीछे स्थित गणेश नगर में माता केशरबाई रघुवंशी

धर्मशाला परिसर के शिव-हनुमान मंदिर की साक्षी में चल रही रामकथा में शुक्रवार को प्रख्यात मानस मर्मज्ञ पं. मनोज भार्गव ने उक्त दिव्य विचार व्यक्त किए। ब्रह्मऋषि स्वामी बर्फानी दादा महाराज की प्रेरणा से हो रहे इस अनुष्ठान में 3 जनवरी को श्रीराम जन्म महोत्सव होगा. प्रारंभ में आयोजन समिति की ओर से तुलसीराम-सविता रघुवंशी एवं संयोजक रेवतसिंह रघुवंशी, गुंजन गंगवाल, रजत शाक्य, पं. कुणाल शर्मा, ज्ञान प्रकाश यादव, बंटी सिंह ठाकुर आदि ने व्यास पीठ एवं रामचरितमानस का पूजन किया. विद्वान वक्ता की अगवानी नरेन्द्र मिश्रा, रामचंद्र पाटीदार, रामसिंह राजपूत, मलखान सिंह कुशवाह, देवकरण यादव आदि ने की. कथा में शंकर पार्वती विवाह सहित अनेक प्रसंगों की भावपूर्ण व्याख्या की गई। संयोजक रेवतसिंह रघुवंशी ने बताया कि गणेश नगर में कथा 9 जनवरी तक प्रतिदिन दोपहर 1 से सांय 5 बजे तक होगी.

शाकम्भरी जयंती मोहत्सव में सुबह से देर रात तक होंगे अनुष्ठान

इंदौर. साग-सब्जी, फल-फूल उपलब्ध कराने वाली मां शाकम्भरी देवी सकराय माताजी के 26वें महोत्सव की तैयारियां अंतिम दौर में पहुँच गई हैं. महोत्सव इस बार 3 जनवरी को बायपास स्थित सम्पत पैलेस गार्डन पर मनाया जाएगा। इस दौरान प्रसिद्ध परंपरागत तांडव आरती के साथ ही दोपहर में माँ शाकम्भरी का मंगल पाठ भी होगा. महोत्सव में सुबह से रात तक विभिन्न आयोजन होंगे। महोत्सव में माँ शाकम्भरी को समर्पित करने के लिए कोलकाता से चुनिन्दा 11 किस्म के फूलों का गजरा बुलवाया जा रहा है जिससे माता रानी के दरबार का भव्य श्रृंगार कर पंडाल भी सजाया जाएगा. शाम को 101 कन्याओं के पूजन के पूर्व दोपहर में 2 बजे से मंगल पाठ प्रारंभ होगा। शुक्रवार को मातारानी का भव्य दरबार बनकर तैयार हो गया.

आयोजन समिति की ओर से कार्यक्रम संयोजक प्रभारी गोपाल अग्रवाल, रामप्रसाद सोंथलिया एवं जयेश अग्रवाल ने बताया कि महोत्सव का शुभारंभ आचार्य प. प्रद्युम्न दीक्षित एवं आचार्यों के निर्देशन में सुबह 9 बजे स्थापना एवं मंडल पूजन के साथ होगा. मंगल पाठ में सरोज ऐरन, विमलादेवी धानुका, पुष्पादेवी खंडेलवाल, मुकेश अग्रवाल एवं शिमला देवी अग्रवाल की सहभागिता रहेगी. प्रख्यात मंगलपाठ गायिका श्रीमती ममता गर्ग मंगल पाठ में मुख्य भूमिका में शामिल रहेंगी. सायं 6.45 बजे परंपरागत तांडव आरती पं. विश्वजीत महाराज के सानिध्य में एवं माँ नर्मदा की आरती उज्जैन के पं. नंदू गुरु की टीम द्वारा की जाएगी. इस अवसर पर संरक्षकों एवं माता के भक्तों की भागीदारी में माँ के दरबार का भव्य श्रृंगार एवं पंडाल भी बनाया गया है.

नववर्ष समारोह में किया नृत्य, मनोरंजक खेल खेले

इंदौर. कॉमन एक्टिविटी एवं घुमक्कड़ ग्रुप द्वारा नववर्ष का उल्लासपूर्ण समारोह गुरुवार को शहर की स्वच्छ, सुंदर एवं भव्य 56 दुकान पर हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया.

इस आयोजन में ग्रुप से जुड़े वरिष्ठ एवं सेवानिवृत्त साथियों सहित कुल 63 सदस्यों ने अपने परिवारजनों के साथ सहभागिता की. कार्यक्रम के दौरान सदस्यों ने नृत्य, मनोरंजक खेलों का आनंद लिया तथा यादगार पलों को फोटो एवं वीडियो के माध्यम से संजोया. साथ ही इंदौर की प्रसिद्ध गरमा-गरम पोहा-जलेबी, कचौरी, समोसा, पैंटीस तथा चाय-कॉफी का सभी ने भरपूर स्वाद लिया. समारोह का वातावरण अत्यंत उत्साहपूर्ण, आनंदमय एवं मनोरंजन से परिपूर्ण रहा. उपस्थित सभी सदस्यों ने इस सामूहिक आयोजन को नववर्ष की सकारात्मक शुरुआत बताते हुए इसे यादगार क्षणों से भरपूर बताया.

एक नजर में

पीटीसी इंदौर में अनुभव के स्तंभ नवाचार का अनूठा शुभारंभ

55 में बचपन की यादें और 25 वर्षों का अनुभव

इन्दौर. पुलिस प्रशिक्षण महाविद्यालय (पीटीसी) में एक नई और भावनात्मक पहल अनुभव के स्तंभ का शुभारंभ किया गया. अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (प्रशिक्षण) राजाबाबु सिंह के मार्गदर्शन एवं पुलिस अधीक्षक राजेन्द्र कुमार वर्मा के कुशल निर्देशन में आयोजित इस नवाचार कार्यक्रम का उद्देश्य पुलिस परिवार के वरिष्ठ सदस्यों के मानसिक और पारिवारिक कल्याण को सुदृढ़ करना है.

कार्यक्रम का शुभारंभ पुलिस अधीक्षक राजेन्द्र कुमार वर्मा व स्टॉफ द्वारा राम धुन के साथ किया गया, जिसने पूरे वातावरण को सकारात्मक ऊर्जा से भर दिया। यह संगोष्ठी अब नियमित रूप से प्रत्येक माह के प्रथम सप्ताह में आयोजित की जाएगी. इस गौरवमयी कार्यक्रम में इकाई के 55 ऐसे अधिकारी एवं कर्मचारी सम्मिलित हुए, जिनका सेवा काल 25 वर्ष से अधिक हो चुका है और जिनकी आयु 50 वर्ष से ऊपर है.

कार्यक्रम का मूल मंत्र एकल परिवार को संयुक्त परिवार से जोड़ना रहा. कार्यक्रम के अंत में पुलिस अधीक्षक ने उपस्थित समस्त अधिकारी-कर्मचारियों को नववर्ष 2026 की शुभकामनाएँ दीं. इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेंद्र कुमार वर्मा ने कहा हमारे वरिष्ठ कर्मचारी विभाग की नींव हैं और इस नींव को मजबूत रखने के लिए पीटीसी परिवार प्रतिबद्ध है. अति पुलिस अधीक्षक गीता चौहान सहित समस्त राजपत्रित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे.

भावुक क्षण और उत्साह

55 की उम्र में अपने बचपन और शुरुआती सेवा काल की यादों को साझा करते हुए कई अधिकारी भावुक हो उठे, तो कई पुराने किस्सों को याद कर प्रफुल्लित दिखे . कार्यस्थल की घुटन% और तनाव को दूर करने के उद्देश्य से शुरू हुए इस मंच पर हर कर्मचारी अपनी बारी का इंतज़ार करता दिखा, जो इस पहल की सफलता का प्रमाण है .